प्रेषक,

अरिन्दम भट्टाचार्य,
विशेष सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1 महानिदेशक,
चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण,
उ0प्र लखनऊ।

2 कुलसचिव,
किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

3 निदेशक,
एस0जी0पी0जी0आई0,
लखनऊ।

4 निदेशक,
उ0प्र0 ग्रामीण आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान,
सैफई, इटावा।

5 निदेशक,
आर0एम0एल0, गोमतीनगर, लखनऊ।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2 **लखनऊः दिनांक 02 जून, 2015**

विषयः- वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत मानक मद-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) में धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि असाध्य रोगों की नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में कुल रू0 14.00 करोड (चौदह करोड मात्र) की धनराशि निम्नलिखित संस्थाओं को उनके नाम के सम्मुख अंकित धनराशि की सीमा तक स्वीकृत किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

क्र0	संस्था का नाम	प्रस्तावित धनराशि (लाख में)
1	किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,लखनऊ।	300.00
2	आर0एम0एल0, गोमतीनगर लखनऊ।	200.00
3	एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ	200.00
4	रिम्स, सैफई, इटावा।	100.0
5	मेडिकल कालेज, झांसी	50.0
6	मेडिकल कालेज, कानपुर।	50.0
7	मेडिकल कालेज, इलाहाबाद।	50.0
8	मेडिकल कालेज, आगरा।	50.0
9	मेडिकल कालेज,मेरठ।	50.0
10	मेडिकल कालेज, गोरखपूर।	50.0
11	हृदय रोग संस्थान, कानपुर।	200.00
12	जे0 के0 कैंसर संस्थान, कानपुर।	100.0

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि बैंक/डाकघर/पी0एल0ए0 में नहीं रखी जायेगी। धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार करते हुए व्यय नियमानुसार सुनिश्चित किया जायेगा।
2. उत्तर प्रदेश में असाध्य रोगों के नि:शुल्क उपचार हेतु नियमावली- 2013 (यथासंशोधित) में निहित व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

3. संस्थान का यह दायित्व होगा कि रोगी के उपचार का समस्त व्यय वहन करने तथा उसकी प्रतिपूर्ति/समायोजन शासन द्वारा आवंटित बजट की सीमा तक ही करेंगे एवं किसी एक वित्तीय वर्ष की लम्बित धनराशि अगले वित्तीय वर्ष में अग्रेनीत नहीं की जायेगी।
4. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है, किन्ही अन्य मद में धनराशि का व्यय अथवा व्ययावर्तन वित्तीय अनियमितता होगी।
5. उक्त मद में अगली किश्त तभी निर्गत की जायेगी जब उनके द्वारा गत वित्तीय वर्ष में निर्गत धनराशि तथा वर्तमान में निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा लाभार्थियों की सूची उपलब्ध करायी जायेगी।
6. वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015 दिनांक 30 मार्च, 2015 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- धनराशि को कोषागार से संबंधित वित्त नियंत्रक/अधिकारी द्वारा आहरित किया जायेगा तथा बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

3- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के लेखाशीर्षक-"2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत-03-चिकित्सा,शिक्षा,प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-0368-असाध्य रोगों के इलाज हेतु नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा-20-सहायता अनुदान-सामान्य(गैर वेतन)" के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015 दिनांक 30 मार्च, 2015 द्वारा प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिहित किये गये अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(अरिन्दम भट्टाचार्य)
विशेष सचिव।

संख्या-54/2015/वी0आई0पी0-08(1)/71-2-15-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद ।
2. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, जवाहर भवन उ0प्र0 लखनऊ।
3. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन लखनऊ ।
4. सम्बन्धित जनपद-लखनऊ/लखनऊ/इटावा/झांसी/कानपुर/इलाहाबाद/आगरा/मेरठ एवं गोरखपुर के कोषाधिकारियों।
5. वित्त ई-3/नियोजन अनुभाग-4/ (आय-व्ययक)-2।
6. स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उ0प्र0 लखनऊ।
7. प्रभारी अधिकारी, एन0आई0सी0, छठा तल, योजना भवन।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ऋषिकेश दुबे)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in